09-02-09

प्लेटो

"न्याय" - Central Point

"आदर्शवादी"-

बार्कर के अनुसार- प्लेटो के सम्पूर्ण चिंतन को निम्न विचारों में व्यक्त किया जा सकता है।-

(A) एक आदर्श व्यक्ति कैसा होना चाहिए, एवं इसका निर्माण कैसे किया जाए।

(B) एक अच्छा राज्य कैसा होना चाहिए और इसका निर्माण कैसे सम्भव है।

(C) राज्य किन परिस्थितियों द्वारा एक सद्गुणी व्यक्ति का निर्माण कर सकता है।

एक आदर्श व्यक्ति एवं पूर्ण राज्य के मध्य समन्वय प्लेटो के विचारों का केन्द्रीय पक्ष है।

=> आदर्शवादी व्यक्ति हेतु समाज/राज्य ज्यादा महत्वपूर्ण होता है व्यक्ति-

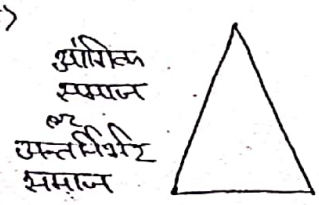

=>

ये राज्य को व्यक्ति से ज्यादा महत्व देते हैं।

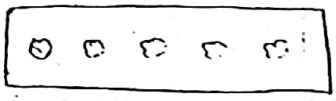

आणविक समाज = मेट्रो समाज या आज का समाज। जो विचारक इस समाज को मानते हैं वो व्यक्तिवादी होते हैं व्यक्ति को समाज से पहले मानते हैं।

=> प्लेटो के अनुसार - राजनीति नैतिकता का एक भाग है ∴ उसे आदर्शवादी - कहा जाता है।

=> यूनानी समाज में शुरू से समाज और राज्य के मध्य अन्तर नहीं किया गया।

Scanned with CamScanner

=> अधिनायकवादी -

जिसमें शासन और सत्ता महत्वपूर्ण हो व्यक्ति के अधिकार और स्वतंत्रता नहीं।

=> साम्यवाद --

ऐसी व्यवस्था जिसमें लोगों से निजी सम्पत्ति को ले लिया जाए, व्यक्तिगत सम्पत्ति का समर्थन न हो, सम्पत्ति का पूर्ण अधिकारी राज्य को।

• व्यक्तिवाद -

व्यक्तिवाद का मूल अभिप्राय है कि व्यक्ति को प्राथमिकता दी जाए, व्यक्तियों द्वारा समाज निर्माण हो और व्यक्ति के अधिकार और स्वतंत्रताएँ महत्वपूर्ण हों।

प्लेटो

आगमनात्मक - विशिष्ट से सामान्य
निगमनात्मक - सामान्य से विशिष्ट

> प्लेटो के विचारों की आत्मा न्याय है

प्लेटो

- आदर्श राज्य
- शिक्षा
- साम्यवाद
- दार्शनिक राजा
- न्याय समाज में नारी का उत्थान समवस्था

Scanned with CamScanner

रूसो के अनुसार Plato का रिपब्लिक राजनीतिक का ग्रंथ नहीं बल्कि बल्कि शिक्षा पर लिखा गया सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ है।

शिक्षा –

① शिक्षा प्रणाली
② शिक्षा की विशेषताएँ (स्पार्टा + एथेंस दोनों शिक्षा प्रणालियों का समन्वय)
③ शिक्षा के चरण
④ शिक्षा का उद्देश्य
⑤ शिक्षा की आलोचना

प्लेटो के अनुसार – "शासन करना एक कला है।"

शिक्षा के चरण –

(I) **प्राथमिक चरण** – 10 – 20 साल तक
आत्मा + शरीर
संगीत, व्यायाम

व्यापारी वर्ग
(प्रथम चरण में असफल)

(II) **द्वितीय चरण** – 20 – 30 साल
गणित, ज्योतिष
↓
अमूर्त विचारों का अध्ययन

सैनिक वर्ग
(द्वितीय चरण में असफल)

(III) तृतीय चरण – 30 – 35 साल
दर्शन, मूल विचार का अध्ययन
अमूर्त विचारों का अध्ययन
मूल तत्व का अध्ययन

राजा
(तृतीय चरण में उत्तीर्ण)

आत्मा → विवेक (राजा)
आत्मा → साहस (सैनिक वर्ग)
आत्मा → वासना (व्यापारी वर्ग)

शिक्षा का महत्व प्लेटो के अनुसार –

① शिक्षा के द्वारा व्यक्ति के आत्मा के गुणों का विकास किया जाता या व्यक्ति को प्रशिक्षण दिया जाता है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति की आत्मा की निश्चित विशेषता या अभिवृत्ति होती है, इसी अभिवृत्ति को शिक्षा द्वारा सिखाया जाता है।

② शिक्षा द्वारा समाज में वर्गों का निर्धारण होता है, प्लेटो के अनुसार समाज तीन वर्गों से मिलकर होता है, व्यक्तियों से नहीं।

③ प्लेटो ने शिक्षा द्वारा समाज के श्रम विभाजन का भी निर्धारण कर दिया, उसके अनुसार उत्पादक वर्ग का कार्य उत्पादन करना, सैनिक वर्ग का कार्य सुरक्षा, दार्शनिक राजा का कार्य शासन करना है।

Scanned with CamScanner

④ नियम निरूपण से नियम विशेषीकरण होता है ∴
उत्पादक : उत्पादन में पारंगत होगा, सैनिक सैन्यकला में पारंगत होगा और दार्शनिक राजा शासनकला का विशेषज्ञ होगा।

⑤ प्लेटो के अनुसार यूनानी युग की मूल समस्या शासकों की अज्ञानता थी और शिक्षा के द्वारा दार्शनिक राजा का निर्माण होगा; और ऐसे दार्शनिक राजा को शक्ति एवं विचारों का ज्ञान होगा। वह विचारों और शक्ति ज्ञान में भेद करने में समर्थ होगा अतः प्लेटो के अनुसार दार्शनिक राजा समाज की समस्त बुराइयों का निराकरण कर देगा। ∴ प्लेटो ने विधि के शासन के बजाय दार्शनिक राजा के शासन को स्वीकारा है। मूल सा० सत्य का ज्ञानी राजा शासन के लिए विशेषज्ञ होगा लेकिन शासन हेतु करने हेतु अनिच्छुक होगा, अतः शिक्षा द्वारा ही समाज में विवेक का शासन सम्भव है।

प्लेटो की शिक्षा की विशेषताएँ –

① प्लेटो के आदर्श राज्य में शिक्षा राज्य द्वारा सभी व्यक्तियों को निःशुल्क दी जाएगी; प्लेटो के अनुसार तत्कालीन राज्य (स्पार्टा) में शिक्षा राज्य के द्वारा निःशुल्क और सभी वर्गों के लिए होगी। जबकि एथेन्स राज्य में शिक्षा लोग अपने निजी खर्च से प्राप्त करते थे

② तत्कालीन में शिक्षा पुरुष, महिला दोनों को उपलब्ध थी।

③ प्लेटो के अनुसार स्पार्टा राज्य में शिक्षा निःशुल्क एवं राज्य द्वारा प्रदत्त थी परन्तु इसमें केवल शारीरिक शिक्षा पर बल था परन्तु प्लेटो ने शारीरिक, मानसिक दोनों के महत्व पर समान महत्व दिया।

Scanned with CamScanner

④ शिक्षा प्रणाली में पाठ्यक्रम निर्धारण गए निर्धारित शिक्षा है कि इसमें अनेक तथा शारीरिक के विकास पर बल दिया गया। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु से स्पष्ट है कि शिक्षा का मूल उद्देश्य विचारों या मूल तत्व का ज्ञान प्राप्त करना है।

<u>शिक्षा के उद्देश्य</u> -

① प्लेटो के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य विचारों या Idea का ज्ञान प्राप्त करना है, इसीलिए उनका आदर्श राज्य स्वयं एक विचार है वास्तविकता नहीं। शिक्षा द्वारा ही दार्शनिक राजा का निर्माण होगा जिसे विचारों की दुनियाँ का ज्ञान होगा।

<u>शिक्षा के चरण</u> -

प्लेटो ने शिक्षा को तीन चरणों में विभाजित किया है। प्रारम्भिक चरण 10-20 वर्षों के बीच होगा जिसमें संगीत और व्यायाम की शिक्षा दी जायगी क्योंकि यह संगीत आत्मा की सहायक है जबकि व्यायाम शरीर को शक्तिशाली बनाता है। शिक्षा के पहले चरण में असफल होने वाले लोग समाज के उत्पादक वर्ग में शामिल होंगे क्योंकि इनकी आत्मा के गुणों में वासना सबसे प्रधान है, इसीलिए इन्हें इनके गुणों के अनुसार समाज में कार्य सौंपा जाएगा। शिक्षा का द्वितीय चरण 20-30 वर्ष तक चलता है, इसमें गणित एवं ज्योतिष शिक्षा पर बल दिया गया। गणित तथा ज्योतिष में अमूर्त विचारों का अध्ययन किया जाता है क्योंकि मूल सत्ता या तत्व, विचार या अमूर्त है। यूनानी युग में गणित का महत्व सैन्य राजनीति के रूप में भी किया गया, दूसरे चरण में असफल विद्यार्थियों को सुरक्षा कार्य सौंपा जाएगा क्योंकि प्लेटो के अनुसार इन लोगों की आत्मा में साहस का गुण प्रधान है।

Scanned with CamScanner

शिक्षा का अन्तिम तथा तीसरा चरण 30-35 वर्षों तक संचालित होगा, जिसमें दर्शन की शिक्षा दी जाती, दर्शन में मूल तत्व का अध्ययन किया जाता है जैसे - आत्मा, परमात्मा। प्लेटो के अनुसार विचारों का ज्ञान ही पूर्ण ज्ञान है जो दर्शन के द्वारा प्राप्त होता है। 35 वर्ष की शिक्षा पूर्ण करने वाला व्यक्ति दार्शनिक राजा होगा, ऐसे जाती व्यक्ति हेतु भौतिक वस्तुएँ अर्थहीन होंगी, क्योंकि उसे आत्मा और विचारों का ज्ञान हो चुका है। ये भी उल्लेखनीय है कि ऐसे दार्शनिक राजा का अपना परिवार और अपनी सम्पत्ति नहीं होगा। ∴ प्लेटो का राजा दार्शनिक और सन्यासी दोनों होगा।

प्लेटो की शिक्षा की आलोचना -

① प्लेटो की शिक्षा प्रणाली अत्यधिक लम्बी एवं दीर्घकालिक है जो मनोवैज्ञानिक रूप में उपयुक्त नहीं है।

② शिक्षा प्रणाली में उत्पादक, सैरक्षक के बजाय दार्शनिक राजा बनाने का उद्देश्य रखा गया है।

③ कार्ल पापर ने अपनी किताब ओपन सोसायटी एण्ड इट्स एनमीज में कहा कि प्लेटो लोकतांत्रिक उदारवादी समाज का दुश्मन है। ∴ प्लेटो ने सभी को राजा की निरंकुशता के भरोसे छोड़ दिया।

④

समालोचना / अपनी टिप्पणी

प्लेटो की शिक्षा प्रणाली की आलोचना अतार्किक एवं पूर्वाग्रहपूर्ण है क्योंकि उसने व्यक्ति के स्वभाव के आधार पर शिक्षा निर्धारण किया ∴ दार्शनिक राजा वह होगा जो स्वाभाविक रूप से शिक्षा प्राप्त करने हेतु उत्सुक होगा। सिर्फ नहीं। कार्ल पॉपर ने प्लेटो की आलोचना करते समय प्लेटो के विचार और परिस्थितियों को उपेक्षित कर दिया क्योंकि प्लेटो के अनुसार व्यक्ति और समाज में कोई विरोधाभास नहीं होता और समाज प्राथमिक है व्यक्ति नहीं ∴ उसका मूलतः समाज की भलाई और एकता के लिए है जिसका मूल माध्यम शिक्षा है। ∴ कहा भी जाता है कि "रिपब्लिक शिक्षा पर लिखा गया सर्वश्रेष्ठ ग्रन्थ है।"

10-02-09

Scanned with CamScanner